उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
सेक्टर–एफ, शान्तिपुरम् (फाफामऊ), इलाहाबाद–211021

राष्ट्रीय संगोष्ठी

''डॉ0 राम मनोहर लोहिया का दर्शन''

24–26 मार्च, 2017

पंजीकरण–प्रपत्र

नाम :.....

पद :.....

संस्था/वि"वविद्यालय.....:.....

.....:.....

विशेषज्ञता : .....

पत्राचार का पता: .....

.....

.....

दूरभाष संख्या : .....

मोबाइल नं. :.....

ई–मेल : .....

शोध–पत्र (एकल/समूह) का शीर्षक : .....

.....

ठहरने की व्यवस्था (यदि अपेक्षित हो): हॉ/नहीं

आगमन की तिथि: .....

समय : .....

प्रस्थान तिथि : .....

समय : .....

दिनांक

हस्ताक्षर

संरक्षक
प्रो. एम.पी. दुबे
कुलपति
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि"वविद्यालय, इलाहाबाद

संयोजक
प्रो0 गोपीनाथ पिल्लई
शान्तिगिरि आश्रम, त्रिवेन्द्रम्, केरल

आयोजन–सचिव
डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी
असि. प्रोफेसर, शिक्षा विद्या शाखा
उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0,इलाहाबाद

सह–आयोजन सचिव
डॉ0 श्रुति
असि. प्रोफेसर, विज्ञान विद्या शाखा
उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0,इलाहाबाद
डॉ0 अतुल मिश्रा
शैक्षिक पराम"ादाता (द"ान"ाास्त्र)
उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0,इलाहाबाद

परामर्श समिति

डॉ0 ओम जी गुप्ता
डॉ0 आर.पी. एस. यादव
डॉ0 आ"ाुतोष गुप्ता
डॉ0 पी0पी0 दुबे
प्रो. पी0के0 पाण्डेय
डॉ0 इति तिवारी

आयोजन समिति

डॉ0 यू0 एन0 तिवारी
डॉ0 अल्का वर्मा
श्री नीरज मिश्रा
श्री धीरज रावत
श्री सुनील कुमार
डॉ0 रंजना श्रीवास्तव
श्री ि"ावम मिश्रा
श्री शहबाज अहमद

राष्ट्रीय संगोष्ठी

''डॉ0 राम मनोहर लोहिया का दर्शन ''

24–26 मार्च, 2017

आयोजक
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद
(UPRTOU)

संरक्षक
प्रो0 एम. पी. दुबे
कुलपति

आयोजन–सचिव
डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी
असि. प्रोफेसर, शिक्षा विद्या शाखा
उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0,इलाहाबाद

सह–आयोजन सचिव
डॉ0 श्रुति
असि. प्रोफेसर, विज्ञान विद्या शाखा
डॉ0 अतुल मिश्रा
शैक्षिक पराम"ादाता (द"ान"ाास्त्र)
उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0,इलाहाबाद

——— :: संगोष्ठी स्थल :: ———
सरस्वती परिसर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
सेक्टर–एफ, शान्तिपुरम् (फाफामऊ), इलाहाबाद–211021
मोबाइल नम्बर–07525048012, 07525048059
E-mail- gkuprtou@gmail.com

''डॉ0 राम मनोहर लोहिया का दर्शन''

सेमिनार के बारें में –

भारतीय संस्कृति के अध्येता, महान विचारक, सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता डॉ0 राम मनोहर लोहिया मानवतावादी एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संवाहक थे। वे समरसता, समता तथा विश्व–बन्धुत्व के पोषक थे। डॉ0 लोहिया की विचार–पद्धति रचनात्मक है। वे पूर्णता व समग्रता के लिए प्रयास करते थे। उनका एक आदर्श विश्व–संस्कृति की स्थापना का संकल्प था। वे हृदय से भौतिक, भौगोलिक, राष्ट्रीय व राजकीय सीमाओं का बन्धन स्वीकार नहीं करते हैं।

डॉ0 लोहिया को भारतीय संस्कृति से न केवल अगाध प्रेम था बल्कि देश की आत्मा को उन जैसा हृदयंगम करने का दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। समाजवाद की यूरोपीय सीमाओं और आध्यात्मिकता की राष्ट्रीय सीमाओं को तोड़कर उन्होंने एक विश्व–दृष्टि विकसित की। उनका विश्वास था कि पश्चिमी विज्ञान और भारतीय अध्यात्म का असली व सच्चा मेल तभी हो सकता है जब दोनों को इस प्रकार समाहित किया जाय कि वे एक–दूसरे के पूरक बनने में समर्थ हो सकें। डॉ0 लोहिया का विश्वास था कि सत्यम्, शिवम् के प्राचीन आदर्श जीवन का सुन्दर सत्य होगा और उस सत्य को जीवन में प्रतिष्ठित करने के लिए मर्यादा–अमर्यादा का, सीमा–असीमा का बहुत ध्यान रखना होगा। दुनिया के सभी क्षेत्रों की परम्पराओं द्वारा प्राप्त स्थल–कालबद्ध अर्द्धसत्यों को सम्पूर्ण बनाने की दृष्टि से संशोधन की चेष्टा डॉ0 लोहिया के जीवन भर साधना रही है। उनकी चिंतनधारा देश काल की सीमाओं तक सीमित नहीं रही। राजनीति के साथ–साथ संस्कृति, इतिहास तथा साहित्य के विषयों में भी उनकी प्रबल विचारधारा स्पष्टतः देखने को मिलती है। वे समाजवाद और लोकतंत्र को एक–दूसरे का पूरक मानते थे।

डॉ0 राम मनोहर लोहिया ने समाजवादी विचारधारा का विवेचन एशिया की विभिन्न समस्याओं को ध्यान में रखकर किया था। उन्होंने अपनी पुस्तक में मार्क्स, गाँधी तथा समाजवाद संबंधी अपने विचारों को अभिव्यक्त किया है। गाँधीवाद तथा मार्क्सवाद दो परस्पर विचारधाराओं के मध्य डॉ0 लोहिया ने ममत्व सूत्र का कार्य किया है। उनका मानना था कि गाँधी तथा मार्क्स के पास सीखने के लिए बहुमूल्य कोष है।पूँजीवाद के विषय में मार्क्सवादी विश्लेषण को अपानाते हुये उन्होंने व्यक्तिगत सम्पत्ति की मार्क्सवादी सिद्धान्त का स्वागत किया। उनकी मान्यता थी कि गाँधीवादी सत्याग्रह तथा आर्थिक व राजनैतिक क्षेत्रों में विकेन्द्रीकरण को अपनाये जाने की नीति के माध्यम से ही मार्क्सवाद के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। समाजवाद की विकृति और उसकी गति–विहीनता पर तभी नियंत्रण पाया जा सकता है जब वह गाँधीवाद के निष्कर्षों को अपना लें।

आज नये सिर से डॉ0 लोहिया की जरूरत महसूस की जा रही है। इस दृष्टि से भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि0 वि0 के संयुक्त रूप से डॉ0 राम मनोहर लोहिया का दर्शन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित कर रहा है।

संगोष्ठी के उपशीर्षक

1. डॉ लोहिया के चिन्तन में समाजवाद।
2. डॉ लोहिया का आर्थिक चिन्तन।
3. डॉ लोहिया के राष्ट्रवाद की अवधारणा।
4. डॉ लोहिया के विचारों में धर्म की व्याख्या।
5. डॉ लोहिया एवं गॉधी दर्शन।
6. डॉ लोहिया, एवं मार्क्स का वैज्ञानिक समाजवाद।
7. डॉ लोहिया के दर्शन की वर्तमान म प्रासंगिकता।

शोधपत्र प्रेषण हेतु निर्देश–

प्रतिभागी ए 4 साइज में शोधपत्र सार (जो 150 शब्दों से 200 शब्दों का हो) आयोजन सचिव के अधोनिर्दिष्ट ई–मेल पर दिनांक 22 मार्च, 2017 तक अव"य प्रेषित करें। चयनित स्तरीय शोधपत्रों को ही वाचन की अनुमति दो जाएगी। टंकित पूर्ण शोध –पत्र दिनांक 23 मार्च, 2017 तक अव"य हॉर्ड कापी एवं सॉफ्ट कॉपी में प्रेषित करें। शोध पत्रों का टंकण क्रुतिदेव –010, फान्ट साइज 14, स्पेसिंग 1.5 पर किया होना चाहिए।

पंजीकरण शुल्क–

प्राध्यापक/प्रतिभागी	–	500/–रु0
शोध छात्र	–	400/–रु0

सभी प्रतिभागियों के लिए अग्रिम पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण शुल्क 'वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद' के पक्ष में निर्गत बैंक ड्राफ्ट (या नकद भुगतान) द्वारा पंजीकरण फार्म के साथ जमा किया जा सकता है। मनीआर्डर अथवा चेक के माध्यम से शुल्क स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रतिभागियों को 24 मार्च 2017 को रिसेप्शन काउण्टर पर प्रातः 9:00 से 10:00 के मध्य अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करानी होगी।

आवासीय व्यवस्था–

विश्वविद्यालय परिसर में स्थित अतिथि–गृह में अतिथियों की पूर्व सूचना के अनुरूप संगोष्ठी के दिन आवास की व्यवस्था की जाएगी।

यात्रा भत्ता/भोजन एवं आवासीय व्यवस्था–

प्रतिभागियों को यात्रा व्यय एवं ठहरने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। वि"वविद्यालय, द्वारा केवल जलपान, मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था उपलब्ध होगी। आमंत्रित सदस्य/वि"ोषज्ञों को यात्रा–भत्ता एवं अन्य सुविधाएँ उपलब्ध होगी।

शोध–पत्र भेजने का पता–

डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी

गंगा परिसर (प्रसाशनिक भवन)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

सेक्टर–एफ, शान्तिपुरम् (फाफामऊ), इलाहाबाद–211021

संगाष्ठी संपर्क/प्रेषण – मो. न.– 07525048012, 07525048059

E-mail- gkuprtou@gmail.com

महत्वपूर्ण तिथियाँ :

सारां"ाका जमा करने की अंतिम तिथि 22 मार्च–2017

पूर्ण शोध पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 23 मार्च –2017

विश्वविद्यालयः एक दृष्टि में–

इस वि"वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त वि"वविद्यालय, अधिनियम 1999 उत्तर प्रदेश (अधिनियम संख्या–10, 1999) के अन्तर्गत हुई। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय का नामकरण हिन्दी के प्रबल समर्थक, प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन के नाम पर किया गया। यह विश्वविद्यालय गृहणियों, विकलांगों, दलितों, आर्थिक रूप से विपन्न वर्ग, सेवारत व्यक्तियों तथा सुदूर ग्रामीण अंचलों के निवासियों तक उच्च शिक्षा को पहुँचाने के लिए दृढ़ संकल्प है। अत्यल्प समय में ही इस विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवीन कीर्तिमान स्थापित किए हैं।इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश है। यह वि"वविद्यालय 696 अध्ययन केन्द्रों तथा 10 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से उच्च शिक्षा के प्रकाश को जन–जन तक पहुँचा रहा है। वर्तमान सत्र में लगभग 60,000 से अधिक विद्यार्थी विभिन्न स्तर एवं प्रकृति के 83 कार्यक्रमों में नामांकित हो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय का मुख्यालय सेक्टर–एफ, शांतिपुरम्, फाफामऊ इलाहाबाद में स्थित है। वि"वविद्यालय का गंगा, यमुना एवं सरस्वती मुख्य तीन परिसर हैं। इलाहाबाद रेलवे जंक्शन से विश्वविद्यालय की दूरी लगभग 15 किमी. तथा बस स्टैण्ड से लगभग 13 किमी. है। विश्वविद्यालय आने–जाने के लिए यातायात की सुविधाएँ सदैव उपलब्ध रहती हैं।

इलाहाबाद एक दृष्टि में–

इलाहाबाद का प्राचीन नाम प्रयाग है। गंगा, यमुना एवं अन्तःसलिला सरस्वती के पावन तट पर स्थित प्रयाग के वर्णन से सभी धार्मिक एवं साहित्यिक वाङ्मय भरे–पड़े हैं। गंगा, यमुना एवं सरस्वती की त्रिवेणी की तरह साथ–साथ यहाँ अध्यात्म, राजनीति एवं साहित्य की भी त्रिवेणी प्रवाहमान है। "ोक्षाणिक उनलब्धियों और कला संस्कृति की नगरी का अपना भव्य इतिहास है। यहाँ संगम के तट पर प्रत्येक वर्ष माघमेला तो बारह वर्षों के अन्तराल पर विश्वप्रसिद्ध कुम्भ मेला का आयोजन होता है। इलाहाबाद की इस पावन धरती पर अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया है। मार्च महीने में इलाहाबाद का मौसम सामान्य एवं खुशनुमा रहता है।